84

HD–01

June/December – Examination 2020

B.A. (Part I) Examination

Hindi

हिन्दी पद्य भाग-I (प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

Paper : HD-01

*Time : **2** Hours*] [*Maximum Marks : **70***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **7×2=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, एक वाक्य, एक शब्द या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. (i) 'करुण' रस का स्थायी भाव क्या है ?

   (ii) अनुप्रास अलंकार की उदाहरण सहित परिभाषा लिखिए।

   (iii) मात्रिक छन्द किसे कहते हैं ?

(iv) बिहारी सतसई की कोई **दो** विशेषताएँ लिखिए।

(v) रहीमदास का कोई भी एक दोहा लिखिए।

(vi) दास्य भाव की भक्ति किस कवि की मानी जाती है ?

(vii) केशवदास की किन्हीं **दो** रचनाओं के नाम लिखिए।

खण्ड—ब **4×14=56**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का है।

2. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

सतगुरु की महिमा अनंत, अनंत किया उपगार।
लोचन अनंत उघाड़िया, अनंत दिखावण हार॥
लाली मेरे लाल की, जित देखूँ तित लाल।
लाली देखन मैं गयी, मैं भी हो गई लाल॥

3. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

को भरिहे हरिके रितये, रितवै पुनि को हरि जौ भरिहै।
उथपै तेहि को जेहि राम थपै ? थपिहे तेहि को हरि जौ टरिहै॥
'तुलसी' यह जानि हिये अपने सपने नहिं कालहु ते डरिहै।
कुमया कछु हानि न औरन की, जो यै जानकी नाथमया करिहै॥

4. निम्न पद्यांश की सप्रंग व्याख्या कीजिए :

बैन वही उनको गुन गाइ,
अरु कान वही उन बैन सों बानी।
हाथ वही उन गात सरै,
अरु पाइ वही जु वही अनुजानी।
जान वही उन सान कै मो,
औ आन वही जु करै मनमानी।
लौं रसखान वही रसखानि
जु है रसखानि सौं है रसखानी।

5. मीरा काव्य की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

6. पद्मावत की कथावस्तु का चित्रण कीजिए।

7. रीतिकाल की प्रवृत्तियों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

8. अनुप्रास और उपमा अलंकार को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

9. 'बिहारी सतसई' के शृंगार पक्ष का वर्णन कीजिए।